कक्षा अनुभव

एक सवाल : हजार अहसास

जब एक साधारण सवाल ने खोल दिए बच्चों के मन के बंद दरवाजे

एक शिक्षक के रूप में, हमारा काम सिर्फ किताबें पढ़ाना नहीं, बल्कि बच्चों के मन और उनकी भावनाओं को समझना भी है। कक्षा में भाषा शिक्षण के दौरान मैंने बच्चों से एक प्रश्न पर चर्चा की —

> "अगर आपको किसी व्यक्ति, जीव-जन्तु, पक्षी, वस्तु आदि से बदलने का मौका मिले, तो आप अपने आप को किससे बदलेंगे?"

— कक्षा में पूछा गया वह सवाल, जिसने पूरी गतिविधि की नींव रखी

इस गतिविधि का उद्देश्य

इस गतिविधि का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सोचने के नए मौके प्रदान करने के साथ-साथ ही उनकी कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना था। मुझे लगा था कि हमेशा की तरह बच्चे किसी राजा, जादूगर, सुपरमैन या अमीर आदमी का नाम लिख देंगे। लेकिन जब बच्चों के लिखे जवाब मैंने पढ़े, तो उनके भीतर छिपा सच, उनकी मासूमियत और कुछ झकझोर देने वाले सामाजिक यथार्थ को देखकर मैं दंग रह गया। छोटे बच्चों की दुनिया हम बड़ों की तरह रुपए-पैसे या ऊंचे दर्जे से नहीं, बल्कि उनके अपने सीधे-सच्चे अनुभवों से चलती है।

01 मासूम आकांक्षाएँ: बुनियादी सुविधाएँ और पढ़ाई के प्रति प्रेम

बच्चों की इच्छाओं में बुनियादी सुविधाओं और आगे बढ़ने की एक अलग ही तड़प दिखाई दी:

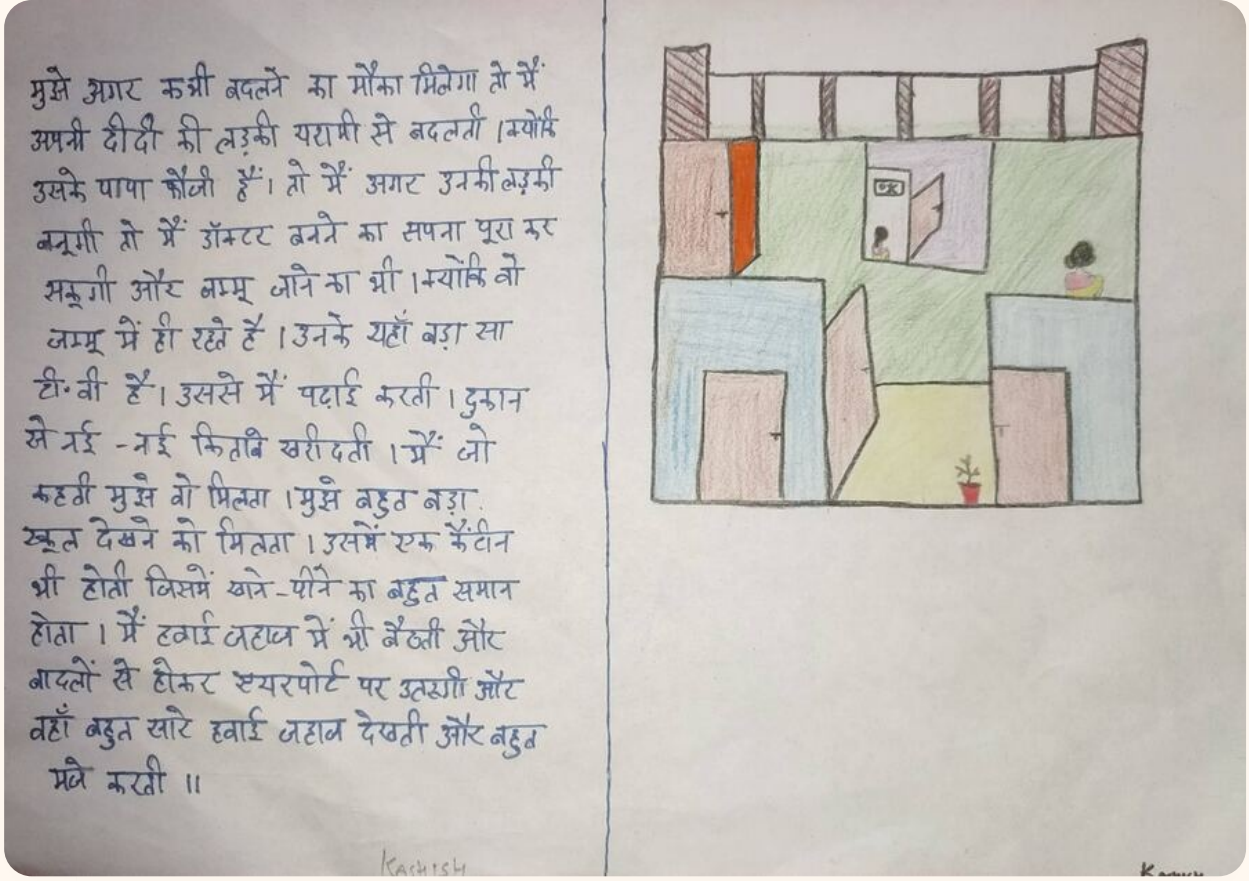

🌤 कशिश — बड़े सपने

कशिश ने अपनी दीदी की बेटी की तरह बनने की इच्छा जताई जिसके पिता फ़ौज में हैं। उसके लिए जीवन बदलने का मतलब था — जम्मू जाना, बड़े टीवी से पढ़ना, नई किताबें खरीदना और हवाई जहाज में बैठकर बादलों के पार जाना। बच्चों के लिए विकास का पैमाना यही मासूम खुशियाँ हैं।

📠 माही — अकेले कमरे और किताबों की चाह

माही का पत्र तो दिल को छू गया। वह किसी वीआईपी की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसी लड़की बनना चाहती है जिसके पास एक शांत, अकेला कमरा हो और वह बस किताबों के बीच बैठकर पढ़ती रहे। यह पत्र बच्चों की एकाग्रता और पढ़ने के प्रति उनके अनूठे प्रेम को दर्शाता है।

02 कड़वा सामाजिक सच: मानवी का पत्र और लैंगिक भेदभाव

इस गतिविधि के दौरान जो सबसे ज्यादा झकझोर देने वाला अनुभव था, वह था मानवी का पत्र। मानवी ने लिखा कि वह **"एक लड़का बनना चाहती है।"** जब मैंने इसके पीछे की वजह पढ़ी तो रीढ़ में सिहरन दौड़ गई। उसने लिखा:

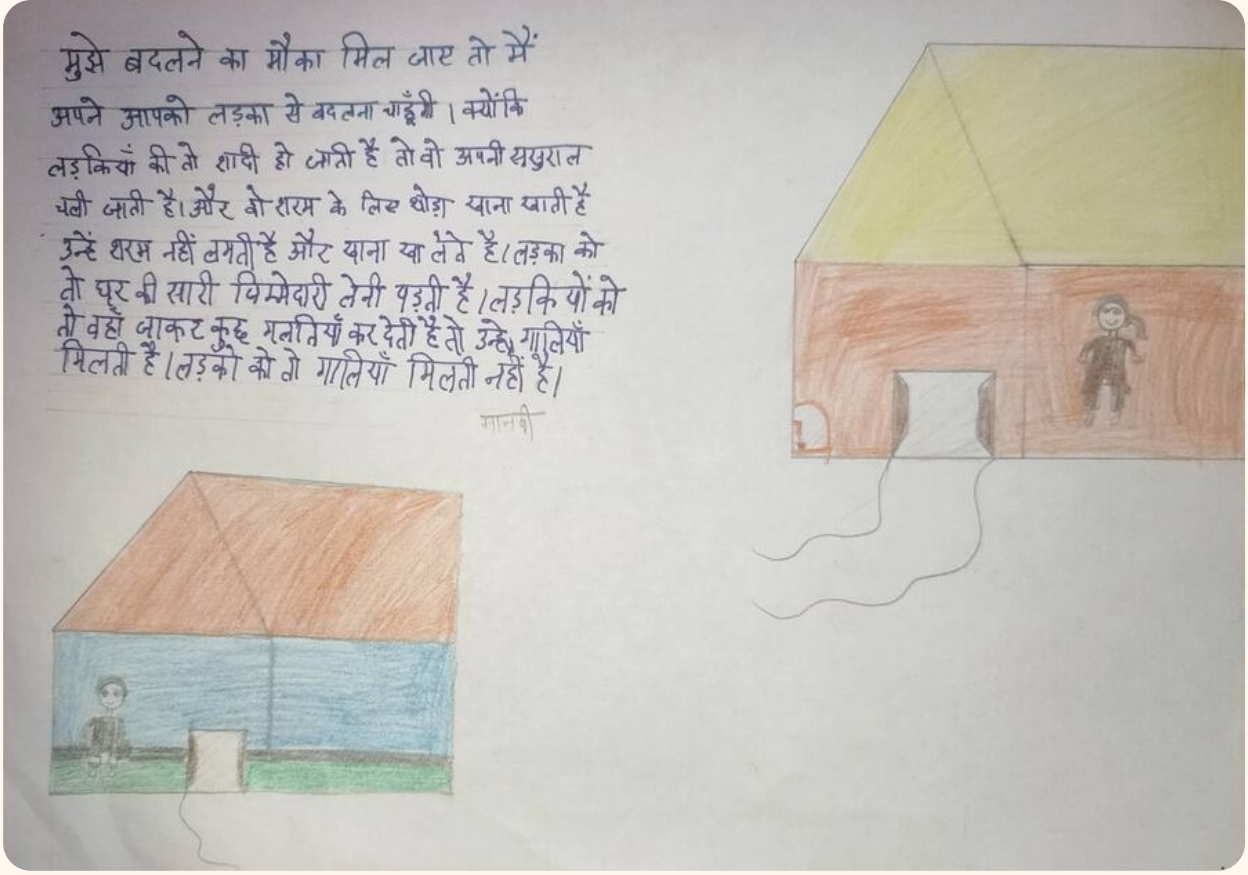

> लड़कियों की शादी हो जाती है तो वो ससुराल चली जाती हैं, वहाँ शर्म की वजह से कम खाना खाती हैं। लड़कियां गलतियां करती हैं तो उन्हें गालियां मिलती हैं, पर लड़कों को गालियां नहीं मिलतीं और वे बिना शर्म के पेट भरकर खाना खा लेते हैं।
>
> — मानवी

यह इस बात का साफ़ प्रमाण है कि आज के आधुनिक युग में भी हमारे समाज में लड़का-लड़की का भेदभाव और डर कितनी कम उम्र में बच्चियों के मन में घर कर जाता है। एक शिक्षक के रूप में इसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि हमारी कक्षाएँ बच्चों को इस डर से बाहर निकालने और उन्हें बराबरी का अहसास कराने के लिए कितनी ज़रूरी हैं।

03 आसपास के लोग ही बच्चों के असली रोल मॉडल

बड़े लोग जहाँ अक्सर नेताओं या अभिनेताओं को अपना आदर्श मानते हैं, वहीं बच्चों के आदर्श उनके आसपास के लोग होते हैं:

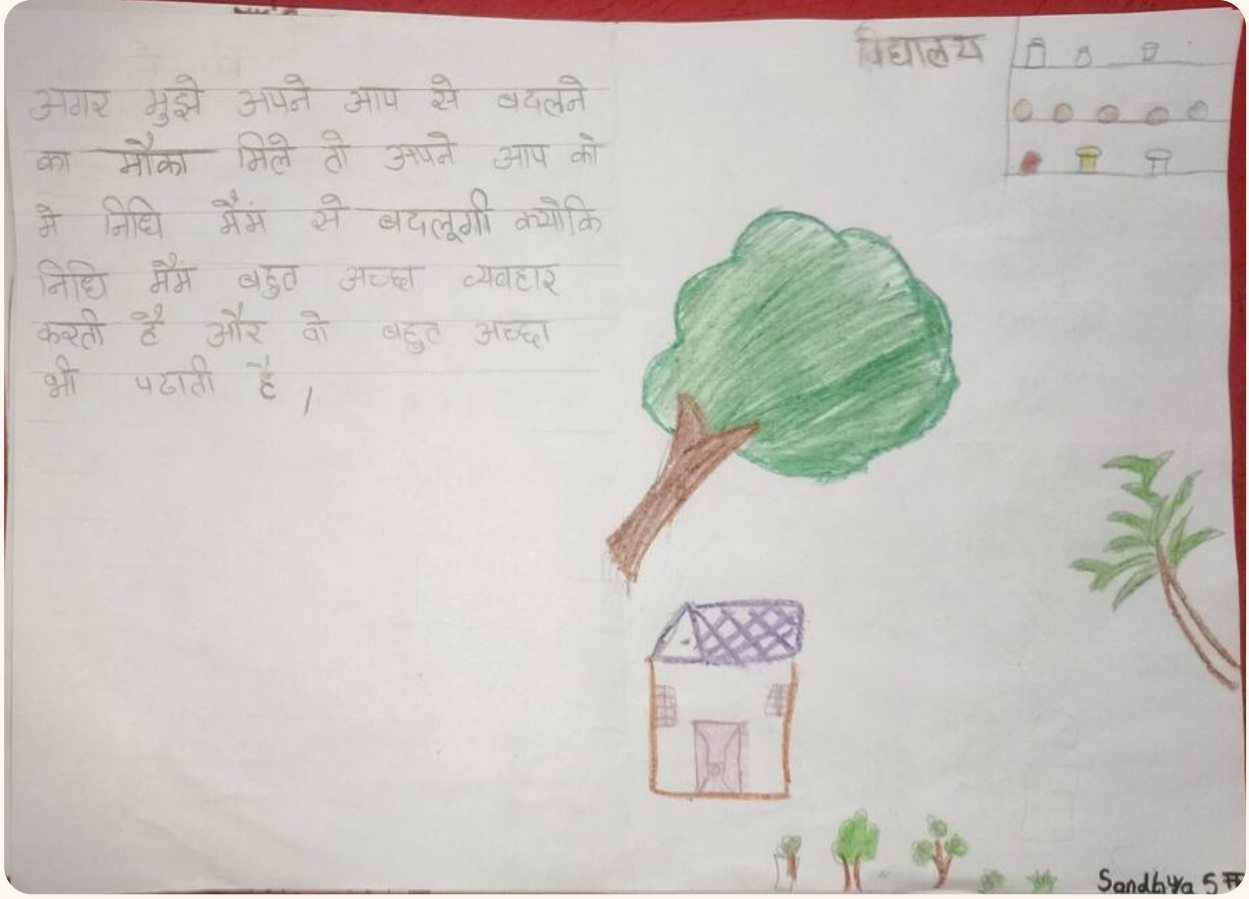

संध्या – निधि मैम से प्रेरणा

संध्या अपनी 'निधि मैम' की तरह बनना चाहती है क्योंकि मैम का व्यवहार बहुत अच्छा है और वह सबसे प्यार करती हैं। यह हम शिक्षकों के लिए एक बड़ी सीख है कि कक्षा में हमारा एक-एक व्यवहार बच्चों के चरित्र को गढ़ रहा है। बच्चे हमारी किताबों से ज्यादा हमारे आचरण से सीखते हैं।

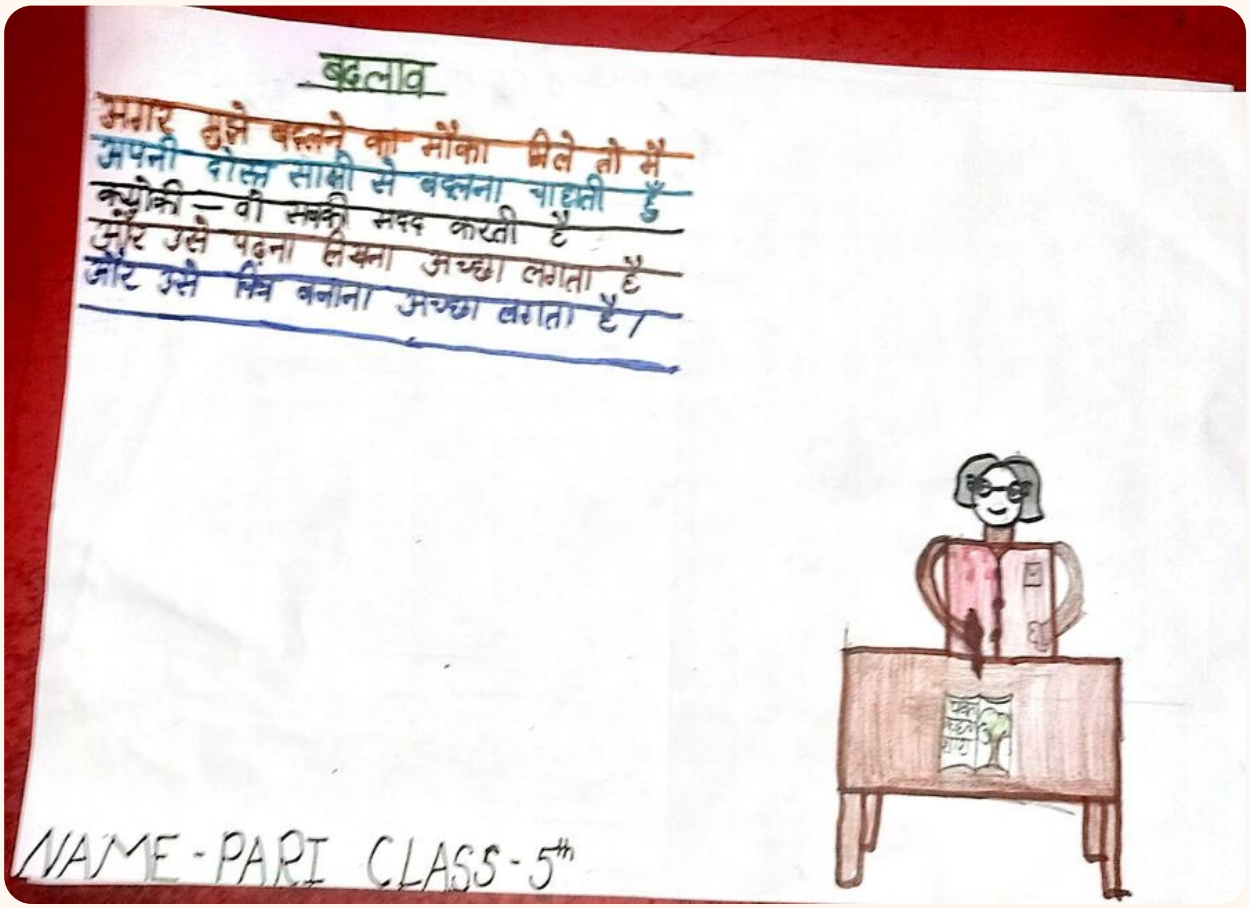

🤝 परी — दोस्ती और अच्छे गुण

परी अपनी सहेली साक्षी की तरह बनना चाहती है क्योंकि साक्षी सबकी मदद करती है और चित्र बहुत अच्छे बनाती है। मजे की बात यह है कि पढ़ाई में साक्षी, परी से थोड़ी कमजोर है, लेकिन बच्चों के लिए दोस्ती और अच्छे गुण ही प्राथमिकता हैं, परीक्षा के नंबर नहीं!

04 असीमित कल्पनाशीलता: प्रकृति से नाता और परोपकार की भावना

कुछ बच्चों ने इंसानी सीमाओं को लांघकर प्रकृति और समाज से अपना गहरा नाता जोड़ा:

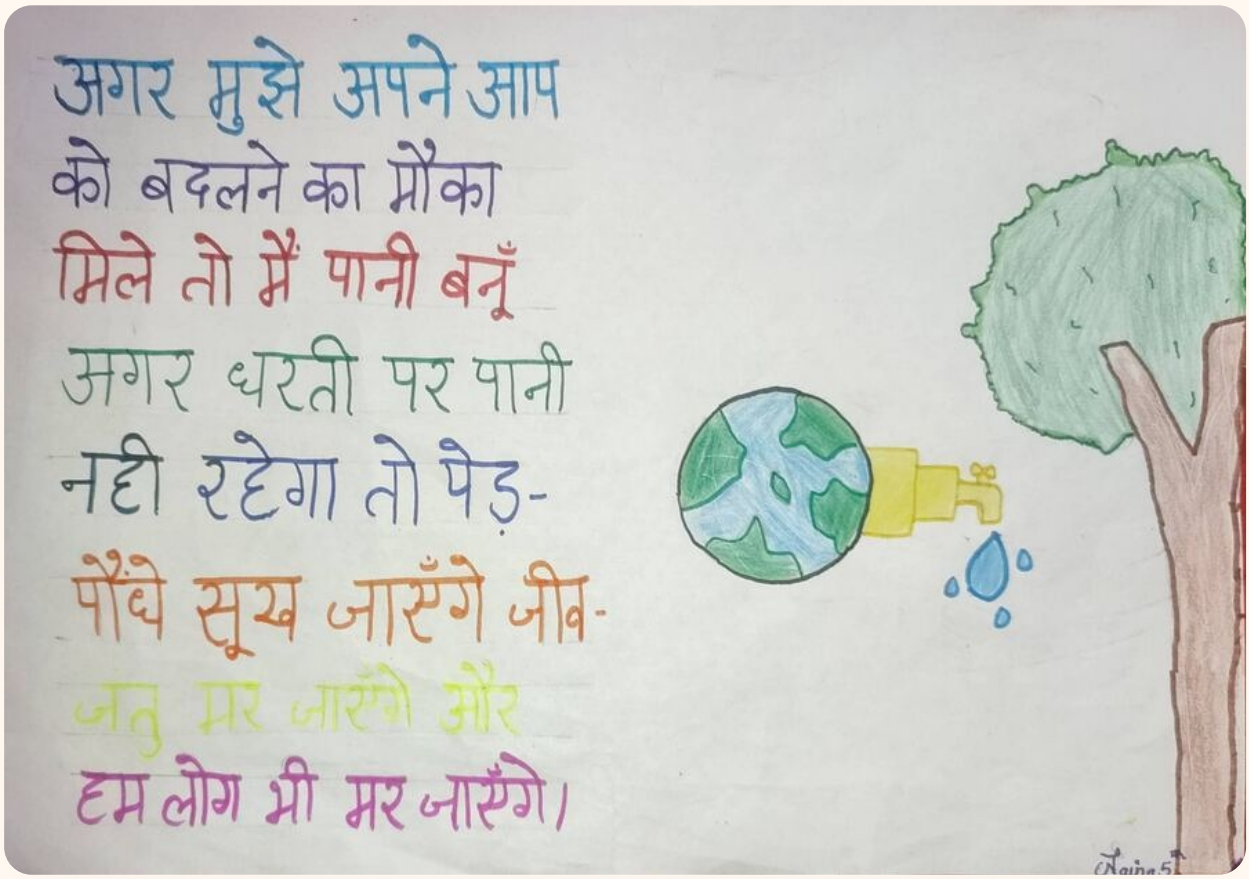

💧 नैना — पानी और पर्यावरण

नैना ने खुद को 'पानी' में बदलने का फैसला किया ताकि दुनिया के पेड़-पौधे और जीव-जंतु सूखकर न मरें। इतनी छोटी उम्र में यह सोच वाकई अद्भुत है।

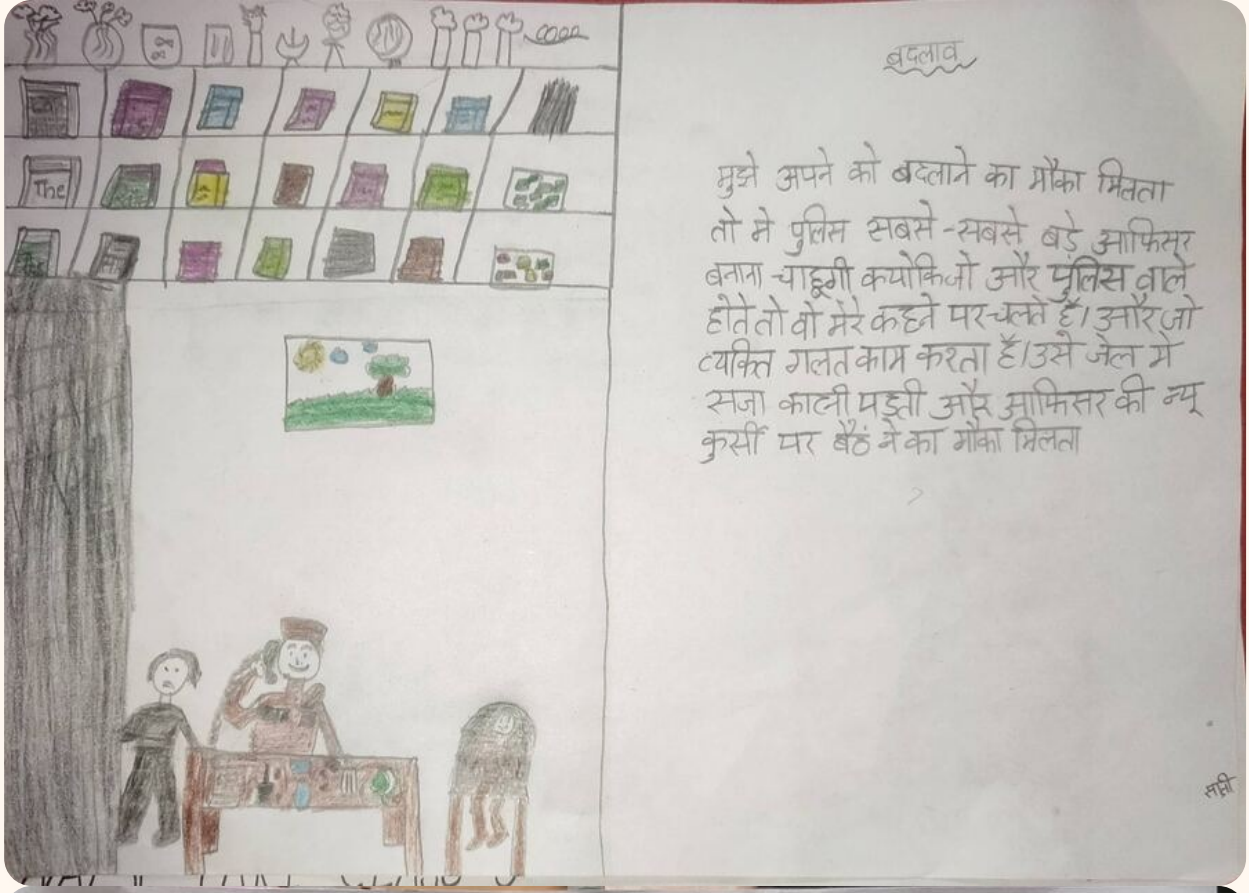

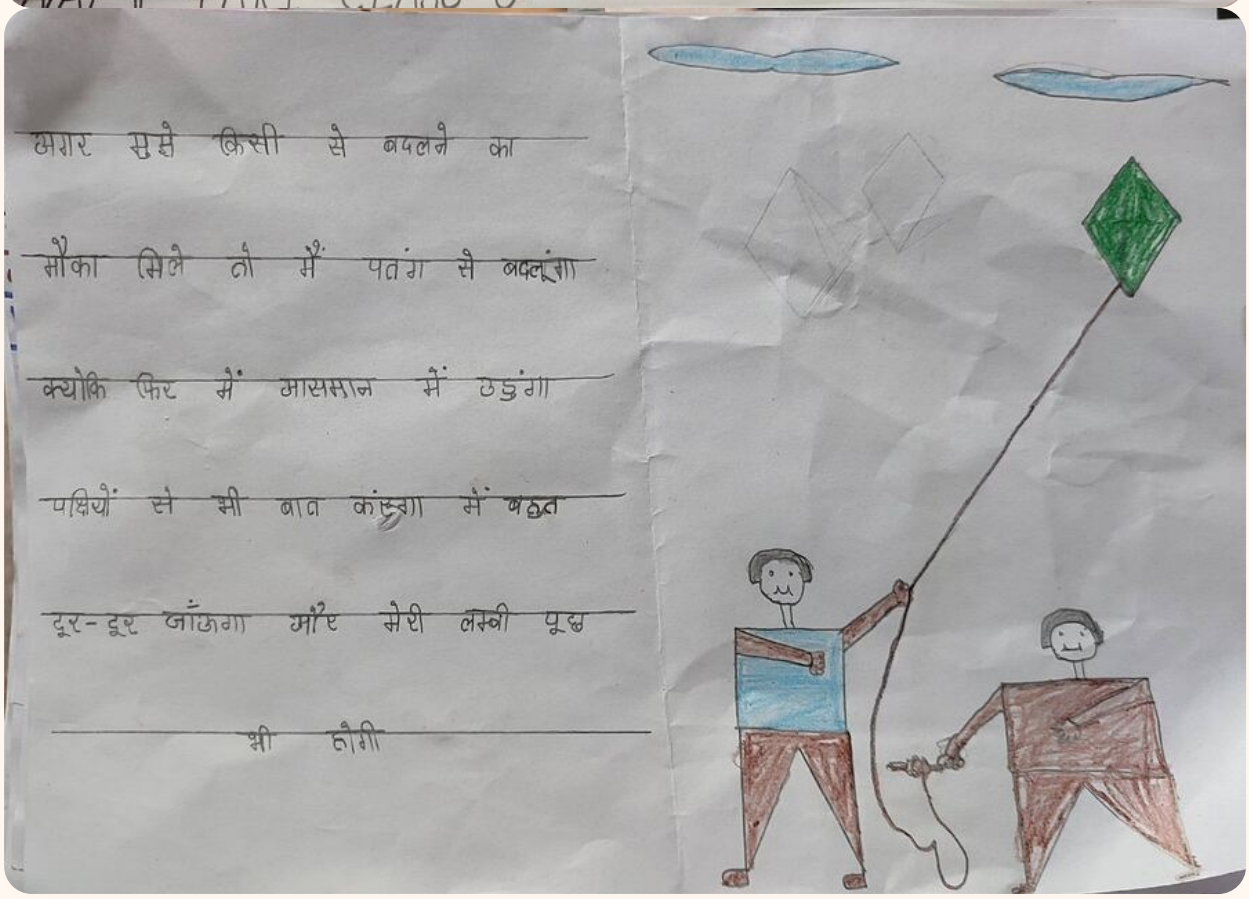

कृष — पतंग और पक्षियों से बातचीत

कृष एक 'पतंग' बनकर लंबी पूंछ के साथ आसमान में उड़ना चाहता है और पक्षियों से बातें करना चाहता है।

अफनान — डॉक्टर बनकर सेवा

अफनान डॉक्टर बनकर गरीबों का मुफ्त या कम पैसों में इलाज करना चाहता है।

🔬 आदित्य – साइंटिस्ट

आदित्य साइंटिस्ट बनकर देश का नाम रोशन करना चाहता है।

👮 साक्षी – पुलिस ऑफिसर

साक्षी पुलिस ऑफिसर बनकर लोगों की मदद करना और देश का नाम रोशन करना चाहती है।

✦ ✦ ✦

निष्कर्ष: एक शिक्षक के रूप में मेरी सीख

इस छोटी सी गतिविधि ने मुझे तीन बड़े सबक दिए, जो कि मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूँ और जो **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)** के मूल उद्देश्यों को ज़मीनी स्तर पर सच करते हैं:

01 कक्षा को लोकतांत्रिक और भयमुक्त बनाएं

जब आप बच्चों को बिना किसी डर के लिखने और बोलने की आजादी देते हैं, तभी उनकी असली सोच बाहर आती है। NEP 2020 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को रटंत प्रणाली (Rote Learning) से मुक्त करके आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और खोज-आधारित अधिगम (Discovery-based Learning) की ओर ले जाना है, जो ऐसी गतिविधियों से ही संभव है।

02 रोज़मर्रा की पढ़ाई में समानता को बुनें

मानवी जैसी बच्चियों के डर को दूर करने के लिए हमें केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना है। NEP 2020 का उद्देश्य एक ऐसा समतामूलक और समावेशी समाज (Equitable and Inclusive Society) बनाना है जहाँ किसी भी बच्चे के साथ जेंडर या पृष्ठभूमि के आधार पर भेदभाव न हो। इसके लिए हमें रोज़मर्रा के संवादों में जेंडर समानता को शामिल करना होगा।

03 सामाजिक-भावनात्मक अधिगम पर ज़ोर

बच्चों की केवल परीक्षा आधारित प्रगति ही काफी नहीं है। NEP 2020 का सबसे बड़ा विज़न बच्चे का पूर्ण रूप से समग्र विकास (Holistic Development) करना है, जिसमें उसके संज्ञानात्मक (Cognitive) विकास के साथ-साथ उसके मानसिक, नैतिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को मजबूत करना भी शामिल है।

यह गतिविधि केवल भाषा का एक पाठ नहीं थी, बल्कि नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के उद्देश्यों को अपनी कक्षा में धरातल पर उतारने और बच्चों के अंतर्मन को समझने का एक अद्भुत जरिया साबित हुई।

मेरा यह मानना है कि ऐसी गतिविधियाँ शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ आत्मीय रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं।

शिक्षक छात्र-छात्राओं से जितने अधिक जुड़े होंगे, उन्हें बच्चों के वास्तविक अधिगम स्तर (Learning Level) और उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को समझने में उतनी ही आसानी होगी। परिणामतः, शिक्षक अपनी कक्षा में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी शिक्षण विधियों में आवश्यक परिवर्तन कर सकेंगे।

आपकी कक्षा में क्या जवाब मिलेंगे?

आप भी अपने स्कूल में इस गतिविधि को आज़माएं और साथ ही हमें बताएं कि आपकी कक्षा के बच्चों ने क्या अनोखे और दिलचस्प जवाब दिए!

अपना अनुभव साझा करें

अरविन्द कुमार सिंह

प्राथमिक विद्यालय बंगला पूठरी, जनपद बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश

पिछले 10 वर्षों से सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। इनके विद्यालय के छात्र-छात्राएं पिछले 4 वर्षों से उड़ान नाम की दीवार पत्रिका बना रहे हैं, साथ ही छात्र-छात्राओं के लिखे लेख, कविता, कहानी, चित्र आदि बाल विज्ञान पत्रिका चकमक में लगातार प्रकाशित होते रहते हैं।

इनके विद्यालय के छात्रों द्वारा बनाया गया टाइमलाइन कैलेंडर SCERT राजस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली "हवा महल पत्रिका" में छप चुका है। इन्हें नवाचारी गतिविधियाँ समूह भारत द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान 2023-24' में शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

इनके कक्षा अनुभव लगातार विभिन्न पत्रिका एवं वेबपोर्टल पर प्रकाशित होते रहते हैं।